मैं कहाँ से आई हूँ

प्यारी बात माँ के साथ

Round – 2

Rules :-

यहा आपको एक पंक्ति दी जाएगी ।

उस पंक्ति को पढ़कर आपको यह बताना है की यह पंक्ति किस जिनवाणी से आई है ।

और यदि पूजन और भक्ति की पंक्तियाँ है तो आपको यह बताना है की वह किस पूजन या भक्ति की पंक्तियाँ है ।

बालपोथी से लेकर समयसार आदि सभी ग्रंथों के आधार से पंक्तियाँ ली गई है ।

तो बताइए मैं कहाँ से आई हूँ ....

मैं जीव हूँ मेरे मे ज्ञान है मैं ज्ञान से जानता हूँ

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

यह पंच नमस्कार मंत्र सब पापों का नाश करने वाला है ।

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

तीन भुवन मे सार , वीतराग विज्ञानता । शिवस्वरूप शिवकार , नमहुँ त्रियोग सम्हारिकैं ।।

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

नमः समयसाराय स्वानुभूत्या चकासते चित्स्वभावाय भावाय सर्वभावांतरच्छिदे

तो बताइए मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

तन का उपचार किया अबतक , उस पर चंदन का लेप किया। मल-मल कर खूब नहाकर के तन के मल का विक्षेप किया ।।

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

जहाँ देह अपनी नहीं , तहाँ न अपनों कोय ।घर संपत्ति पर प्रगटये , पर हैं परिजन लोय ।।

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

मिथ्यात्व के कारण परपदार्थ या तो इष्ट या अनिष्ट मालूम पड़ते है , मुख्यतया इसी कारण कषाय उत्पन्न होती है

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

सकल ज्ञेय ज्ञायक तदपि , निजानंद रसलीन । सो जिनेन्द्र जयवन्त नित , अरिरजरहस विहीन ।

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

क्षण भर निज रस को पी चेतन मिथ्यामल को धो देता है काषायिक भाव विनष्ट किए निज आनंद अमृत पीता है

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

भूत भविष्यत् वर्तमान की , मैं पूजूँ चौबीसी तीसविदेह क्षेत्र के सर्व जिनेन्द्रो के,चरणों मे धरता शीश

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

संसार पीड़ित जीवको सुगम मोक्षमार्ग के उपदेश का निमित्त बने और वो अभ्यास न करे तो उनके अभाग्य की महिमा हमसे तो नहीं हो सकती

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....

रोग मरी दुर्भिक्ष न फैले प्रजा शांति से जिया करै परम अहिंसा धर्म जगत मे फैल सर्व हित किया करै

तो बताओ मैं किस जिनवाणी से आई हूँ ....